Answer - no - 9

कूलिंग टॉवर :⇒ रेफ्रीजिरेशन प्रक्रिया में रेफ्रीजिरेन्ट द्रव ठण्डी करने वाली वस्तु या स्थान से ताप लेकर वाष्प बन जाता है / इस वाष्प को पुनः उपयोग करने के लिए आवश्यक है कि वाष्प का तापमान कम किया जाये जिससे वाष्प द्रव में परिवर्तित हो जाये और पुनः उपयोग में लाया जा सके / द्रव में परिवर्तन करने के लिए ठण्डे पानी कि आवश्यकता है / कन्डेन्सर के वाष्प रेफ्रीजिरेन्ट को द्रव में परिवर्तित करने में ठण्डा पानी गर्म हो जाता है / इस गर्म पानी को ठण्डा करने के लिए भिन्न -2 उपाय किये जाते हैं उसमें एक विधि कुलिंग टॉवर की भी है कूलिंग टॉवर के ऊपरी भाग से पानी गिराया जाय तो वायु के सम्पर्क में आने पर पानी ठण्डा हो जाता है /

कूलिंग टॉवर की प्रकार :⇒ ये दो प्रकार के होते हैं /

(1) प्राकृतिक ड्राफ्ट कूलिंग टॉवर
(2) यान्त्रिक ड्राफ्ट कूलिंग टॉवर
(a) इन्ड्यूस्ट ड्राफ्ट कूलिंग टॉवर
(b) फोर्स्ड ड्राफ्ट कूलिंग टॉवर